ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Dorathy S. Thomas

VOL. XXVI | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2021 JANUARY | No. 3

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें

परमेश्वर की स्तुति हो

यशायाह ४१:११-१७

११ देख, जो तुझ से क्रोधित हैं वे सब लज्जित होंगे; जो तुझ से झगड़ते हैं उनके मुंह काले होंगे और वे नाश होकर मिट जाएंगे।

१२ जो तुझ से लड़ते हैं उन्हें ढूंढ़ने पर भी तू न पाएगा; जो तुझ से युद्ध करते हैं वे नाश होकर मिट जाएंगे।

१३ क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा, तेरा दाहिना हाथ पकड़कर कहूंगा, मत डर, मैं तेरी सहायता करूंगा;

१४ हे कीड़े सरीखे याकूब, हे इस्राइल के मनुष्यो, मत डरो! यहोवा की यह वाणी है, मैं तेरी सहायता करूंगा; इस्राएल का पवित्र तेरा छुड़ानेवाला है।

१५ देख, मैंने तुझे छूरीवाले दांवने का एक नया और चोखा यन्त्र ठहराया है; तू पहाड़ों को दांय दांयकर सूक्ष्म धूलि कर देगा, और पहाड़ियों को तू भूसे के समान कर देगा।

१६ तू उनको फटकेगा, और पवन उन्हें उड़ा ले जाएगी, और आंधी उन्हें तितर-बितर कर देगी। परन्तु तू यहोवा के कारण मगन होगा; और इस्राएल के पवित्र के कारण बड़ाई मारेगा।

१७ जब दीन और दरिद्र लोग जल ढूंढ़ने पर भी न पायें और उनका तालू प्यास के मारे सूख जाये; मैं यहोवा उनकी बिनती सुनूंगा, मैं इस्राएल का परमेश्वर उनको त्याग न दूंगा।

राष्ट्रों के लिए प्रभु की गवाही

(पास्टर डेविड विल्करसन)

"और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा ताकि सब जातियों पर गवाही हो, और तब अन्त आ जाएगा" (मत्ती २४:१४)।

आज कलीसिया में कई लोग समय के चिन्हों को पढ़कर मसीह के आगमन की निकटता को निर्धारित करने की कोशिश कर रहे हैं। हम विशिष्ट घटनाओं में ऐसे चिन्हों को देखते हैं - उदाहरण के तौर यहूदियों का इस्राएल को लौटना। फिर भी अपने दूसरे आगमन के बारे में यीशु एक स्पष्ट कथन देता है। उपर्युक्त वचन में समाहित है : अंत तब होगा जब सारे राष्ट्रों को सुसमाचार का प्रचार किया जाएगा - गवाही के रूप में।

इस वचन में यीशु गवाही के लिए जिस शब्द का इस्तेमाल करता है वही यूनानी शब्द है जो "साक्ष्य" के लिए इस्तेमाल किया गया है। अर्थात, शाब्दिक तौर पर, "सच्ची घटना का सबूत।" मसीह यहां पर केवल सुसमाचार का प्रचार करने के बारे में नहीं बोल रहा है, परंतु उसे गवाही के रूप में पेश करने के बारे में बोल रहा है। संक्षेप में, वह कहता है, सुसमाचार जिसका हम प्रचार करते हैं वह केवल तब प्रभावी होता है यदि उसके पीछे ऐसा जीवन है जो उसकी सच्चाई की गवाही देता हो।

आप सोचेंगे कि अमेरिका में, जो हजारों सुसमाचारीय कलीसियाओं से भरी है, समाचार की मज़बूत गवाही होगी। एक विशाल दक्षिण शहर में ही, २००० से अधिक सुसमाचारीय कलीसियाएं हैं, जिसकी सदस्य संख्या १५००० लोगों से अधिक है।

परंतु ऐसी कई कलीसियाओं ने मसीह के सच्चे सुसमाचार के साथ समझौता किया है। उनकी कलीसिया में तलाक बढ़ गया है। उनके कई जवान लोग पाप युक्त, यौन अभिलाषा में सक्रिय जीवन बिता रहे हैं। आप कहेंगे यह कैसे हो सकता है? सच्चाई यह है कि, इन सारी विशाल कलीसियाओं में सुसमाचार के प्रचार के रहते हुए भी, लोगों के जीवनों में मसीह की प्रभुता को सहारा देने वाली बहुत कम गवाही है। वे शहर या राष्ट्र के लिए सच्चे गवाह नहीं है।

...क्रमशः पृष्ठ ३...

घोषणा

कृपया ध्यान दें कि एको ऑफ हिज़ कॉल, मासिक पत्रिका अतिरिक्त तौर पर मणिपुरी भाषा में प्रकाशित की जा रही है। सहायक सम्पादक : रेव्ह. डॉ. ऋषिकांत सोरोखैबम

- सम्पादक

Touching Lives By Teaching... Since 1969

बुलावे की प्रतिध्वनि

(ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, MARATHI, KANNADA, BENGALI, GUJARATI, NEPALI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS MONTHLY MAGAZINE)

"....तू सींची हुई बारी और ऐसे सोते के समान होगा जिसका जल कभी नहीं सूखता" (यशायाह ५८:११)

प्रभु में प्रिय भाई और बहन,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अत्यंत महिमामय नाम में आपको उत्तम अभिवादन।

हम आपको एक अत्यंत आशीषमय और समृद्ध नए वर्ष २०२१ की बधाई देते हैं। हमारा अद्भुत उद्धारकर्ता जो आपके साथ आपके जीवन में अब तक सफर करता रहा है, इस वर्ष भी आपके साथ होगा। परमेश्वर सच्चा है जिसने तुमको... बुलाया है (कुरिन्थियों १:९)। अतः उसकी तारीफ करना और संपूर्ण गिरने से उसकी सेवा करना हमारी जिम्मेदारी है। इस प्रजा को मैंने अपने लिए बनाया है कि वह मेरा गुना अनुवाद करें (यशायाह ४३:२१)।

करोना संक्रमण की वजह से, विभिन्न कठिनाइयों के बीच, प्रभु परमेश्वर ने हमारे जीवन की रक्षा की। इसलिए हम उसका धन्यवाद करें। प्रभु यीशु मसीह बड़े अनुग्रह के साथ हमारी जरूरतों को पूरा कर रहा है। हाल ही में बीते हुए वर्ष में, परमेश्वर ने अपने राज्य के विस्तार के लिए नई सेवाओं की शुरुआत करने में हमारी सहायता की। परमेश्वर के अनुग्रह से हम सरकार के नियमों और कानूनों का पालन करते हुए, छोटे पैमाने पर अपनी सेवकाइयाँ जारी रखने में सक्षम रहे हैं अर्थात, कलीसियाए, हाईस्कूल, बाइबल कहलेजेस आदि।

परमेश्वर ने एको अहफ हिज कहल के नए संस्करण का मणिपुरी भाषा में प्रकाशन आरंभ करने में हमारी सहायता की, जोकि १७ वी भाषा है। यह भारत के उत्तर पूर्व राज्य मणिपुर की अधिकृत भाषा है। हम उसके सहायक संपादक रेव्ह. डॉ. ऋषिकांत सोरोखैबम का धन्यवाद करते हैं, जो हमारी सेवकाई के माध्यम से उनकी मणिपुरी भाषा बोलने वाले लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु आगे आए हैं। हम उनका और उनके परिवार का एको अहफ हिज कहल हमारे परिवार में स्वागत करते हैं।

जब प्रभु यीशु मसीह ने हमें प्रारंभिक दिनों में एको अहफ हिज कहल का प्रकाशन आरंभ करने की प्रेरणा प्रदान की, तब हमें निम्नलिखित और चार भारतीय भाषाओं में एको अहफ हिज कहल का प्रकाशन करने हेतु सरकार से अनुमति प्राप्त हुई :

कश्मीरी
सिंधी
कोंकणी और
संस्कृत

परंतु धनराशि के अभाव में और अन्य कठिनाइयों के कारण हम अपना मासिक इन भाषाओं में प्रकाशन करने में असमर्थ रहे। अब हमें आत्मा में महसूस होता है कि उपर्युक्त चार भाषाओं में एको अहफ हिज कहल का प्रकाशन करने की संभावनाओं को तलाशें, जिसके द्वारा हम प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के सुसमाचार के द्वारा भारत के अधिकांश लोगों तक पहुंच सके।

CHIEF EDITORS
Pastor S. Sam Selva Raj
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.
MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager
EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M. Phil., B.Ed.
Head Qrs. CO-ORDINATORS
Bro. John Rodrigues
Sis. E. Daisy Rani
ADVISORY BOARD
Adv. Jose Abraham
Adv. N. Balaji, B.Com., B.L.
Dr. S. Rabinder Boaz, M.S.
Er. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM)
Aud. K. Puratchivendan, M.Com., B.L.
Bro. Rajeswaran Samuel, B.Com.
PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+91-44) 2852 8282
2852 9293, 2854 7766
Email : sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
Websites :
www.echoofhiscall.org
www.echoofhiscall.com

इस बड़े दर्शन को पूरा करने के लिए, सबसे पहले हमें विश्वास योग्य तथा समर्पित लोगों की जरूरत है जो इस बड़े प्रयास के लिए प्रार्थना करने हेतु हमारे साथ हाथ मिलाएंगे और दूसरी बात इन भाषाओं में एको अहफ हिज कहल का अनुवाद तथा डीटीपी करने हेतु सही लोग आगे आए।

आप इतने वर्षों से एको अहफ हिज कहल के पाठक, प्रार्थना योद्धा और प्रायोजक रहे हैं, अतः इन चार भाषाओं में भी एको अहफ हिज कहल का प्रकाशन करने के बारे में हम आपके विचार तथा समन्वय पाने हेतु विनती करते हैं। कश्मीरी, सिंधी, कोंकणी तथा संस्कृत आशा बोलने वाले अन्य पहुंचे लोगों कुछ समाचार सुनाने हेतु आपके सुझाव और विचार अत्यंत बहुमूल्य सिद्ध होंगे।

हालांकि इन अनपहुंचे हुए समुदायों तक सुसमाचार ले जाना अत्यंत कठिन है, हमें ऐसा लगता है कि हमें अपनी सेवकाई के दर्शन को अनदेखा नहीं करना है जब तक हम संसार के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना जाएं और जब तक वह प्रभु यीशु मसीह को अपना उद्धार करता और परमेश्वर जान नहीं लेता। "यहोवा की वाणी है कि तुम मेरे साक्षी हो और मेरे दास हो, जिन्हें मैंने इसलिये चुना है कि समझकर मेरी प्रतीति करो और यह जान लो कि मैं वही हूं। मुझ से पहले कोई ईश्वर न हुआ और न मेरे बाद भी कोई होगा। मैं ही यहोवा हूं और मुझे छोड़ कोई उद्धारकर्त्ता नहीं। मैं ही ने समाचार दिया और उद्धार किया और वर्णन भी किया, जब तुम्हारे बीच में कोई पराया देवता न था; इसलिये तुम ही मेरे साक्षी हो, यहोवा की यह वाणी है। मैं ही ईश्वर हूं और भविष्य में भी मैं ही हूं; मेरे हाथ से कोई छुड़ा न सकेगा; जब मैं काम करना चाहूं तब कौन मुझे रोक सकेगा। तुम्हारा छुड़ानेवाला और इस्राएल का पवित्र यहोवा यों कहता है, तुम्हारे निमित्त मैंने बाबुल को भेजा है, और उसके सब रहनेवालों को भगोड़ों की दशा में और कसदियों को भी उन्हीं के जहाज़ों पर चढ़ाकर ले आऊंगा जिन के विषय वे बड़ा बोल बोलते हैं। मैं यहोवा तुम्हारा पवित्र, इस्राएल को सृजनहार, तुम्हारा राजा हूं। यहोवा जो समुद्र में मार्ग और प्रचंड धारा में पथ बनाता है" (यशायाह ४३:१०-१६)

हम इस पत्र के उत्तर की प्रतीक्षा में है।

आपका सेवक
पा. सैम और सैमसन

...पृष्ठ १ से आगे...

अर्थात किसके लिए कुछ लोग अपवाद भी हैं। जिस विशिष्ट शहर के बारे में मैं सोच रहा हूं, मैं कुछ मुट्ठी भर जवान पासवानों को जानता हूं जिन्होंने प्रभु के सामने अपने मुंह के बल होकर बहुत समय बिताना शुरू किया है। अब जब भी वे परमेश्वर का वचन बोलते हैं वे सामर्थ और अधिकार के साथ बोलते हैं। जिस सुसमाचार का वे प्रचार करते हैं वह सुसमाचार मसीह के साथ निकटता और पवित्र चाल चलन की गवाही से समर्थित है। और वे अपने मंडली के जीवनों में बदलाव को देखने लगे हैं।

मैं एक बैप्टिस्ट पास्टर के बारे में भी सोचता हूं जिसने एक समय बहुत विशाल नई इमारत बनाने की योजना बनाई थी। उसकी मंडली तेज़ी से बढ़ रही थी और वह कलीसियाई बढ़ोतरी आंदोलन का अध्ययन करने लगा था। परंतु जब उसकी पत्नी को प्रेरणा मिली कि वे प्रार्थना करें और प्रभु को खोजें तब जल्द ही पासवान भी वैसा ही करने लगा। उसने तुरंत बड़ी संख्या का अपना स्वप्न त्याग दिया और जो प्रचार करता था उसका गवाह होने के कारण बनना उसने शुरू कर दिया।

हाल ही के प्रवचन के लिए उस पास्टर ने अपनी कलीसिया के आगे के हिस्से में एक बड़ा स्क्रीन लगाया। उसने अपनी मंडली से कहा, "परमेश्वर का आत्मा मुझसे इस कलीसिया के पापों के बारे में बोल रहा है। और आज हम उन्हें अपनी आंखों से हमारे सामने देखेंगे।"

उसके बाद पास्टर ने एक के बाद एक पापों को स्क्रीन पर दिखाना शुरू किर दया जिसमें व्यभिचार, लुचपन, मतवालापन, ड्रग्स का उपयोग, अश्लीलता आदि दिखाई दे रहे थे। उसके बाद उन्होंने अपना प्रचार शुरू किया : हम इसी समय एक बड़ी कलीसिया का निर्माण करना आरंभ करने वाले नहीं हैं। इससे पहले कि हम कुछ करें हमें मसीह के जीवित निवासस्थान को ठीक करना है। हमें पहले इस सुसमाचार के अनुसार जीवन बिताना है!

आज परमेश्वर का आत्मा उस कलीसिया में सामर्थ के साथ काम कर रहा है। लोग अपने जीवन को ठीक करने के लिए प्रभु के पास भीड़ के रूप में जा रहे हैं - क्योंकि वह ऐसे सुसमाचार को सुन रहे हैं जिसके पीछे गवाही है!

मैं जवान और वृद्ध, ऐसे बीसियों पास्टरों से अचंभित और उलझन में हूं, जो उनकी कलीसियाओं की उन्नति के लिए रणनीतियों की खोज में सारे दुनिया में भागते फिरते हैं। आज, कई प्रचारक सेमिनारों, महासभाओं और विचार विमर्श में भाग लेते हैं जहां युवा सेवकाई पेशेवर चार्ट और मतदान का उपयोग करके यह दिखाते हैं कि विशाल कलीसियाओं का निर्माण कैसे किया जाए। अन्य पासवान बेदारी के लिए भीड़ लगाते हैं, नई पद्धतियों को सीखने की आशा से कि उनकी मंडलियों पर पवित्र आत्मा कैसे उतार आए।

इस समय मिशन समुदाय पहले से अधिक अपने कार्यकर्ताओं को भेज रहे हैं। उनकी पुकार हो गई है, हमें मिशन क्षेत्रों पर लोगों की ज़रूरत है! राष्ट्रों को मसीह के लिए जीतने हेतु अधिक योग्यता-प्राप्त स्त्री और पुरुषों की जरूरत

एको ऑफ हिज कॉल सेवकाइयों *को* ***एको अहफ हिज कॉल*** *मासिक पत्रिकाओं के पाठकों द्वारा प्राप्त शुल्क तथा आपके जैसे प्रिय मित्रों के स्वेच्छाद्वानों द्वारा आर्थिक सहायता प्रदन की जाती है। परमेश्वर हर्ष देने वालों से प्रेम करता है (२ कुरिन्थियों ९:७)। हर तरह से - हर कीमत पर - किसी भी तरह से - हर प्रकार से - समान कुछ (१ कुरिन्थियों ९:२२) (एवी)।* - संपादक

है।

परंतु जिन्हें भेजा जा रहा है ऐसे मिशनरियों में से कई कुछ ही सालों में घर लौट कर आ रहे हैं। उन्हें विदेशों में दुष्टात्माओं द्वारा पीटा जा रहा है, निराश किया जा रहा है और असफल बनाया जा रहा है। क्यों? उनके जीवन उनके द्वारा प्रचार किए जाने वाले सुसमाचार से मेल नहीं रखते थे! उन्होंने मसीह की प्रभुता के प्राथमिक ज्ञान को या पवित्र आत्मा की भरपूरी को कभी नहीं पाया था।

प्रियों, राष्ट्रों को मसीह के लिए छूने हेतु मात्र कल्पना और रणनीतियों से अधिक बहुत कुछ की ज़रूरत होती है। यदि यीशु हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आसन पर विराजमान नहीं है तो हमारी सारी योजनाएं विफल होगी।

यह ऐसे समय की त्रासदी है जब खीष्ट विरोधी शक्तियां सत्ता में आ रही हैं!

इतिहास में कभी ऐसा समय नहीं रहा जब अधोलोक से दुष्टात्माएं इतनी तेजी से निकल आ रही हो। अधर्म पृथ्वी पर छाया हुआ है, एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र के विरोध में है। और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि शैतान ने पवित्र जनों के विरोध में दुष्ट सेनाओं को मुक्त किया है।

फिर भी परमेश्वर हमारे संसार में होने वाली किसी भी बात से अनजान नहीं है। वह भयानक ड्रग पीड़ा से या गर्भपात में किए जाने वाले रक्तपात से अचंभित नहीं है। सो इस उपद्रव और अधर्म के समय में उसकी प्रतिक्रिया क्या है? इस धर्मत्याग और दुष्टात्माओं की बढ़ती हुई शक्ति के समक्ष वह कौन सी प्रति-औषधि देने का उद्देश्य रखता है? ऐसे विनाश के समय में परमेश्वर क्या करेगा?

उसका जवाब वही है जैसा हमेशा रहा है - नई रीति से मसीह की गवाही को पेश करना। परमेश्वर ने हमेशा बचे हुए नए स्त्री पुरुषों को तैयार किया है जो उसकी उद्धारदायक और पवित्र करने वाली सामर्थ की पवित्र गवाही बनेंगे। जैसा कि आज भी सच है। खीष्ट विरोधी गतिविधियों के इस परिदृश्य में अलग किए हुए, मसीह से परिपूर्ण विजेताओं को सामने लाने की उसकी योजना है - धर्मी स्त्री और पुरुष जो उसके शासन और प्रभुता की पूर्ण अधीनता में जीवन बिताएंगे!

हम इस नमूने को संपूर्ण बाइबल में देखते हैं!

मिस्र देश में इस्राएल की दुर्दशा पर विचार करें। परमेश्वर के राष्ट्र की बर्बादी हो रही थी, पूरे देश में धर्मत्याग छाया हुआ था। शैतान ने इस्राएल को अपने कदमों तले रखा था, उनके विरोध में कानून बनाने और उन्हें सताने के लिए शैतान उस समय की राजनीतिक सत्ता का भी उपयोग कर रहा था। दुश्मन पृथ्वी पर परमेश्वर की गवाही का उपहास बना रहा था।

इस्राएल के इतिहास में यह अंधकारमय समय था। समय के साथ लोग निराश हो गए थे। आत्मिक जीवन में बिछड़ने लगे, मिस्र के सुखविलासों में और अश्लीलता में लिप्त होने लगे। मूर्तिपूजा और व्यभिचार चारों तरफ छा गया। इस्राएल की परिस्थिति आशारहित लग रही थी। राष्ट्र का विश्वास धीरे-धीरे घटता जा रहा था।

अंधकार की बढ़ती शक्तियों के प्रति परमेश्वर की क्या प्रतिक्रिया थी? क्या उसने आसपास के साम्राज्य को प्रोत्साहित किया कि वे मिस्र के विरोध में उसकी लाठी बने? क्या उसने मिस्रियों के मध्य गृहयुद्ध को उकसाया? क्या उसने बदला लेने वाले स्वर्गदूतों को भेजा? नहीं - परमेश्वर ने ऐसा कुछ नहीं किया। उसके पास एक बिल्कुल नई योजना थी। बल्कि उसने एक ही व्यक्ति को पकड़ा, उसने मूसा को खड़ा किया!

मूसा प्रार्थना करने वाला जन था जो परमेश्वर में पूर्णतया लिप्त था। उसने मिस्र के सुखविलास, आराम और परीक्षाओं को ना कहा, बल्कि पवित्र आत्मा की पूर्ण प्रभुता में जीवन बिताता रहा। उसके पास उसकी अपनी कोई योजना या महत्वाकांक्षा नहीं थी। उसने अपनी सारी मानव योग्यता को त्याग दिया, और अपने प्रयोजन तथा संसाधनों के रूप में महान 'मैं हूं' पर निर्भर रहा। और वह पवित्र भूमि से लौटा, परमेश्वर की पवित्रता के प्रथम दर्शन के साथ।

सो इस्राएल के इतिहास की अत्यंत अंधकारमय घड़ी में, जब ऐसा लगा कि परमेश्वर के लोग शत्रु का ग्रास बन जाएंगे, तब परमेश्वर ने इन सारी बातों के मध्य ऐसे व्यक्ति को खड़ा किया जो उसकी गवाही के रूप में कार्य करेगा। और इस एक व्यक्ति ने पूरे राष्ट्र को अपने अधीन कर लिया और दूसरे को तैयार किया। परमेश्वर ने यहां सब कुछ एक व्यक्ति के द्वारा किया।

हम यही योजना शमूएल में भी मूर्त रूप में देखते हैं

यहां हम धर्मत्याग, अधर्म, पिछड़ेपन की दूसरी पीढ़ी को देखते हैं। इस समय वाचा का संदूक इस्राएल से जा चुका था। राष्ट्र का महायाजक एली आलसी और आत्मसंतुष्ट था, उसने अपने पुत्रों को याजकपद को कलंकित करने की अनुमति दी। उसके रहते हुए मंदिर में व्यभिचार होने लगा। परंतु एली अपनी आराम की जिंदगी में इतना लिप्त था कि उसने उन्हें रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

एक समय परमेश्वर ने संपूर्ण धार्मिक प्रणाली पर "ईकाबोद" लिख दिया, जिसका अर्थ है 'प्रभु का आत्मा चला गया है।' फिर एक बार शैतानी शक्तियों का सामर्थ के साथ उदय हुआ था।और स्वाभाविक दृष्टि में, परमेश्वर का कार्य अपना आधार इस हद तक खो चुका था कि उसके पुनःस्थापन की संभावना नहीं थी।

परंतु परमेश्वर के पास एक जन था - एक छोटा बालक शमुएल जिसका नाम था। जबकि उसके आसपास सभी सेवकगण व्यभिचार और पेटुपन में लिप्त थे, शमुएल परमेश्वर की आवाज़ सुनना सीख रहा था। जैसे जैसे वह परमेश्वर के और करीब होता गया, पवित्र आत्मा ने उसे भविष्यद्वाणी के वचन से भर दिया। वह एक गवाह बन गया - परमेश्वर की सामर्थ का जीवित प्रमाण!

पवित्र शास्त्र कहता है कि जैसे जैसे शमुएल बढ़ता गया, उसका कोई भी शब्द खाली नहीं गया - वह लगातार सामर्थ और अधिकार के साथ बोलता था। और उसके ईश्वरीय अधिकार

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों ६:२), ❋ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ❋ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ जनवरी २०२१ से १८ फरवरी २०२१ तक

(कृपया इस पृष्ठ का फा.िय, ा.ी कीजिए आर उस अपनी बाइबल म र ाकर निरतर प्राथना कीजिए।)

स्तुति विषय

जनवरी १६ : परमेश्वर ने हमारी नए वर्ष की आराधना सभा को आशीषित किया।

जनवरी २० : परमेश्वर ने हमारे दिसम्बर महीने की मुख्य गिरजाघर की गतिविधियों को आशीषित किया।

जनवरी २१ : परमेश्वर ने १७ भाषाओं में प्रकाशित हमारे सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे छापखाने में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

जनवरी २२ : परमेश्वर ने मणिपूरी भाषा में हाल ही में एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका प्रकाशित करने में सहायता की।

जनवरी २३ : परमेश्वर ने हमारे **सेंट पॉल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल** की ऑनलाईन कक्षा को आशीष दी।

जनवरी २४ : **सेंट पॉल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल** के अध्यापकों के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

जनवरी २५ : हमारे बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

जनवरी २६ : हमारे सहायक सम्पादकों औ उनके परिवार सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

जनवरी २७ : और कुछ भाषाओं में **एको ऑफ हिज़ कॉल** के विस्तार के हमारे दर्शन के लिए परमेश्वर की स्तुति हो।

जनवरी २८ : हम अपने प्रार्थना सहभागियों शुल्क सहभागियों विश्वास के सहभागियों आजीवन प्रतिभागियों, महान आदेश प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

जनवरी २६ : परमेश्वर की स्तुति करें कि हमारे बाइबल कॉलेज शुरू हो गए।

जनवरी ३० : परमेश्वर ने हमारी सारी मिशन यात्राओं में हमारी सहायता की।

जनवरी ३१ : राज्य समन्वयों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें। परमेश्वर ने इस वर्ष २०२० में हम सभों की रक्षा की है।

फरवरी १ : पिछले महीने में **एको ऑफ हिज़ कॉल** सेवकाइयों की सारी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

फरवरी २ : हमारा प्रभु हमारे वरिष्ठ पासबान एस सॅम सेल्वाराज और उनके परिवार की दुष्ट शक्तियों से रक्षा करता है।

फरवरी ३ : परमेश्वर ने पिछले महीने हमारी कलीसिया को आशीषित किया और कलीसिया में नई आत्माओं को लाया।

प्रार्थना विषय

फरवरी ४ : परमेश्वर वर्ष २०२१ में एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों की सारी ज़रूरतों को पूरा करें।

फरवरी ५ : परमेश्वर ने हमारे मित्रों को आशीषित किया जिन्होंने वर्ष २०२० में हमारे मिशन क्षेत्रों को आशीष दी।

फरवरी ६ : परमेश्वर वर्ष २०२१ हमारे सारे पाठकों को आशीष दे।

फरवरी ७ : हम अपने अंग्रेजी सहायक संपादक भाई पॉल राज की पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

फरवरी ८ : हम मणिपुरी भाषा के सहायक संपादक रेव्ह. डॉ. ऋषिकांत सोरोखैबम के लिए प्रार्थना करें।

फरवरी ६ : परमेश्वर नशीले पदार्थों के सेवन से लोगों को छुड़ाए।

फरवरी १० : परमेश्वर दूर स्थानों में सेवारत हमारे मिशनरियों की रक्षा करे।

फरवरी ११ : हम उत्तर भारत के मिशनरियों और उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

फरवरी १२ : हम सारे देशों से कोरोना के निर्मुलन के लिए प्रार्थना करें।

फरवरी १३ : हमारे सुसमाचार छापखाने पर हमें परमेश्वर की आशीष की ज़रूरत है।

फरवरी १४ : सभी फिरकों के विश्वासी आपस में प्रेम बनाए रखें।

फरवरी १५ : परमेश्वर सभी देशों के सीमा-क्षेत्रों में शांति भेजे।

फरवरी १६ : इस नए वर्ष २०२१ में हमारी संस्थाओं और उसके कार्यकर्ताओं पर परमेश्वर नया अभिषेक भेजे।

फरवरी १७ : विश्व के सारे राजनीतिक पक्ष और उनके अगुवे प्रभु को जानें।

फरवरी १८ : परमेश्वर हमारे पास्टर एस सॅम सेल्वराज, उनके परिवार तथा टीम की सारे दुष्ट शक्तियों से रक्षा करें।

...पृष्ठ ४ से आगे...

के कारण कोई भी राष्ट्र चालीस वर्षों से अधिक समय तक इस्राएल के विरोध में हाथ न उठा सका।

फिर एक बार, प्रभु ने सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए गवाही के रूप में एक अकेले व्यक्ति को खड़ा किया। परमेश्वर को सेना की, मानवीय संगठन, या किसी नई बात की ज़रूरत नहीं थी। उसे केवल एक धर्मी जन की ज़रूरत थी - ऐसा व्यक्ति जिसकी सेवकाई पूर्ण रूप से उसके पवित्र मार्गों के प्रति समर्पित थी!

हम यही नमूना नहेम्याह के समय में देखते हैं

यरूशलेम की शहरपनाह टूट चुकी थी, नगर पत्थरों का ढेर बन चुका था। और कलीसिया पूरी तरह से आत्मिक पिछड़ेपन में जा चुकी थी, कोई गवाही नहीं बची थी। इस्राएल के आसपास की दुष्ट शक्तियां उन्हें गम्भीर रूप से सता रही थी, उस प्रत्येक कार्य का उपहास कर रही थी जिसे वे करने का प्रयास कर रहे थे।

ऐसे विनाश के समय में परमेश्वर ने कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त की? क्या उसने शुशान राजदरबार से प्रशिक्षित सैनिकों की टुकड़ी को उनकी सहायता के लिए भेजा? क्या उसने उनके मुख्य शत्रुओं को मारने के लिए राजमहल के पहरेदार को भेजा? नहीं, परमेश्वर ने फिर एक बार अकेले व्यक्ति को खड़ा किया - नहेम्याह को।

यहां पर एक जन था जिसके हृदय में परमेश्वर का बोझ था। नहेम्याह ने अपना समय प्रार्थना, उपवास और विलाप में बिताया, क्योंकि वह इस्राएल की दशा पर टूट चुका था। वह निरंतर परमेश्वर के वचन की खोज कर रहा था, भविष्यद्वाणियों को समझ रहा था और आत्मा में बढ़ रहा था।

भले ही नहेम्याह राजा अर्तक्षत्र का पियाऊ था, फिर भी वह अपने आसपास की सारी दुष्टता से दूर रहा। सारी कामुकता, अनैतिकता और इस्राएल में होने वाली भक्तिहीनता के मध्य वह प्रभु के साथ चलता रहा। और बदले में, उसे प्रचार करते हुए सुनने वाला प्रत्येक व्यक्ति आत्मा में शुद्ध हो गया।

जल्द ही देश में पवित्रता की बेदारी आई। "तब याजकों और लेवियों ने अपने अपने को शुद्ध किया; और उन्होने प्रजा को, और फाटकों और शहरपनाह को भी शुद्ध किया" (नहेम्याह १२:३०)। परमेश्वर का भवन भी शुद्ध किया गया, जो कुछ शरीर का था वह हटा दिया गया। नहेम्याह ने यह कहकर कार्यकर्ताओं को मंदिर में भेजा, "मैं यहां से हर प्रकार की अशुद्धता को हटाना चाहता हूं। यहां ऐसा कुछ भी न रख छोड़ें जो मूर्तिपूजा या वासना से सम्बंध रखता है। उसे निकालकर जला दो!" प्रियों, बेदारी की परमेश्वर की यही कल्पना है! यह हमारे हृदय के प्रत्येक कक्ष को जो अशुद्ध और अपवित्र है साफ कर निकालना है। वह कोई भी अंधकारमय स्थानों को नहीं चाहता!

नहेम्याह को ऐसा आत्मिक अधिकार कैसे प्राप्त हुआ? राजा ने वह उसे नहीं दिया। किसी भी कलीसिया के बिशप ने उसे वह नहीं दिया। उसने यह बाइबल कॉलेज से नहीं सीखा।

नहीं, नहेम्याह को यह अधिकार उसके घुटनों पर मिला - रोते हुए, टूटते हुए परमेश्वर के हृदय को जानने की इच्छा रखते हुए और क्योंकि वह प्रार्थनाशील व्यक्ति था, अतः वह संपूर्ण राष्टों के पापों को अंगीकार कर सका : "तू कान लगाए और आंखे खोले रह, कि जो प्रार्थना मैं तेरा दास इस समय तेरे दास इस्राएलियों के लिए दिन रात करता रहता हूं, उसे तू सुन ले। मैं इस्राएलियों के पापों को जो हम लोगों ने तेरे विरूद्ध किए हैं, मान लेता हूं। मैं और मेरे पिता के घराने दोनों ने पाप किया है। हमने तेरे सामने बहुत बुराई की है, और जो आज्ञाएं, विधियां और नियम तूने अपने दास मूसा को दिए थे, उनको हमने नहीं माना" (नहेम्याह १:६-७)।

यहेजकेल के समय में धर्मत्याग और पिछड़ेपन का विस्मयकारी वर्णन है - और ऐसे समयों में परमेश्वर उसकी गवाही बना!

यहेजकेल के दिन में इस्राएल विषयासक्त और घमंडी बन गया था। लोग अपने पड़ोसियों की पत्नियों से कुकर्म कर रहे थे और अपनी बहुओं को भी अशुद्ध कर रहे थे। एक समय पवित्र कहलाए जाने वाले भविष्यद्वक्ता भी पाप में पिछड़ गए थे, वे पैसों के लोभी बन गए थे

एको ऑफ हिज़ कॉल के भागीदार

परमेश्वर के अनुग्रह से एको ऑफ हिज़ कॉल की विभिन्न सेवकाइयां निम्नलिखित विभिन्न पदों में कार्यरत एको ऑफ हिज़ कॉल के भागिदारों के सक्रिय सहयोग से सम्भव की जा रही है।

१. प्रार्थना भागीदार : जो लोग एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों के लिए नियमित रूप से प्रार्थना करते हैं और विशेष प्रार्थनाओं का आयोजन करते हैं।

२. शुल्क भागीदार : जो लोग अपने नियमित वार्षिक शुल्क के द्वारा एको ऑफ हिज़ कॉल के प्रकाशन में सहायता करते हैं।

३. आजीवन भागीदार : जो लोग एक ही समय में २००० या उससे अधिक की सहायता करते हैं।

४. विश्वास भागीदार : जो लोग एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियों के लिए मासिक सहायता भेजते हैं।

५. महान आदेश भागीदार : डिनॉमिनेशन की बाधाओं से परे जो लोग सभी कलीसियाओं और मिशन संस्थाओं के साथ परमेश्वर का कार्य कर रहे हैं। लक्ष्य : बांटना (गला. ६:२), सहायता करना (रोमियों १२:१३), और शीघ्रता (२ तीमु. १:६)।

हमारे राष्ट्रों की मीरास पाने के लिए इन आत्मिक सेनाओं में से किसी एक में सहभागी होने हेतु हम आपका स्वागत करते हैं। परमेश्वर आपको बहुतायत से आशीष दे।

पा. एस. सैम सेल्वराज
98412 71858 / 98410 71858

और पवित्र और अशुद्ध के बीच अंतर नहीं समझ पा रहे थे। और राष्ट्र के अगुवे खूंखार भेड़िये बन गए थे, वे बेईमानी से धन कमा रहे थे, खून बहा रहे थे, झूठ बोल रहे थे और निर्धनों को सता रहे थे। यह सबकुछ हमारे समयों के समान प्रतीत होता है!

इस्राएल परमेश्वर के मार्गों को भूल गया, प्रभु ने उनसे कहा, "इस्राएल का घराना मेरी दृष्टि में धातु का मैल हो गया है।" राष्ट्र इतना कमज़ोर, संसारिक और निर्बल बन गया कि परमेश्वर ने उसे बाहरी संसार की कारण बना दिया। "...इस कारण मैंने तुझे जाति जाति के लोगों की ओर से नामधराई का, और सब देशों के ठट्ठे का कारण कर दिया है" (यहेजकेल २२:४)।

कैसा गम्भीर आरोप! परमेश्वर इस्राएल से कह रहा था, "तुमने पवित्र वस्तुओं को तुच्छ जाना है, अपने आपको वासनाओं के वश में कर दिया है, मैं तुम्हारी गवाही छीन लूंगा!"

इस समय यहेजकेल वृद्ध व्यक्ति था, जो तस्वीर से बाहर होने वाला था। सो परमेश्वर ने उस परिस्थिति का सामना कैसे किया? उसने यहेजकेल से कहा, "और मैंने उनमें ऐसा मनुष्य ढूंढ़ना चाहा जो बाड़े को सुधारे और देश के निमित्त नाके में मेरे सामने ऐसा खड़ा हो कि मुझे उसको नाश न करना पड़े, परन्तु ऐसा कोई न मिला" (यहेजकेल २२:३०)।

उसकी कल्पना करें - इस्राएल का भविष्य इस बात पर निर्भर था कि परमेश्वर को कोई धर्मी व्यक्ति मिले जिस पर वह निर्भर रह सके। फिर भी उसने यहेजकेल से कहा, "...परन्तु ऐसा कोई न मिला। इस कारण मैंने उस पर अपना रोष भड़काया और अपनी जलजलाहट की आग से उन्हें भस्म कर दिया है..." (यहेजकेल २२:३०-३१)।

परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह से यही बात कही : "यरूशलेम की सड़कों में इधर-उधर दौड़कर देखों... ढूंढ़ों यदि ऐसा कोई मिल सके जो न्याय से काम करे और सच्चाई का खोजी हो, तो मैं उसका पाप क्षमा करूंगा" (यिर्मयाह ५:१)।

उसने भविष्यद्वक्ता से कहा, "यदि मुझे केवल एक मनुष्य मिलेगा जो बाड़े में खड़ा रह सकता है, तो मैं पूरे राष्ट्र के पाप क्षमा करूंगा। मुझे केवल एक व्यक्ति चाहिए जो पूर्णतया मेरी इच्छा के अधीन हो!"

प्रियो, आज हम कलीसियाओं में कई प्रकार की आवाज़ें सुन रहे हैं जो संसार तक पहुंचने हेतु और समयोचित, समकालीन तरीकों के लिए पुकार रही हैं।

और कई अजीब, नए कार्यक्रमों के लिए प्रयास किया जा रहा है। फिर भी, मेरी कई वर्षों की सेवकाई में, मैंने इस प्रकार के कार्यक्रमों को आते-जाते देखा है। वे पूर्णतया शरीर को प्रसन्न करने पर निर्भर हैं; उन्हें क्रूस से कोई सरोकार नहीं है। जिस भीड़ को वे इकट्ठा करते हैं, खाली, असन्तुष्ट जीवन बिताते हैं, उन्होंने संसार और उसकी लालसाओं से अलग जीवन का सुसमाचार कभी नहीं सुना। संसार इन कार्यक्रमों का उपहास करता है, उन्हें मात्र मूर्खता समझता है।

कोई भी सेवक या समर्थक इस प्रकार का भूसा इकट्ठा कर सकता है। व्यक्ति कभी शैतान के समान जीवन बिताकर भक्तिपूर्ण योजनाओं को अमल में नहीं ला सकता। वस्तुतः आपको मेगा चर्च बनाने के लिए तीव्र बुद्धि और कार्यकारी अधिकारियों की रणनीतियों की ज़रूरत है। फिर भी यदि आप उसे परमेश्वर की सहायता के बिना करते हैं - उसकी धार्मिकता और पवित्रता के बिना - तो वह उसके नथूनों में दुर्गंध के समान होगा। यह ऐसा सुसमाचार है जिसके पीछे सच्ची गवाही का समर्थन नहीं है। उसके पीछे संदेश देने की सामर्थ नहीं है!

मैंने पिछले वर्षों में यह भी देखा है कि प्रचारक अपने आत्मिक जीवन में जितना पीछे होता जाता है, उतना अधिक वह मनोरंजन सुसमाचार की ओर फिरता है और भीड़ में नए कामों को ले आता है। और वह अपनी सफलता का मूल्यांकन करने के लिए संख्या और धनराशि पर निर्भर होता है। परंतु ऐसे कामों के साथ गवाही नहीं होती - क्योंकि वे दूसरे सुसमाचार के, दूसरे यीशु के हैं!

जो पासवान सचमुच धर्मी है उसकी सेवकाई में केवल एक ही लक्ष्य होता है : जब तक वह अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभु यीशु मसीह को मुकुट नहीं पहनाता तब तक वह अपने प्राण को विश्राम नहीं लेने देता - और अपने आपको तथा अपनी भेड़ों को पवित्र आत्मा के शासनकारी अधिकार के अधीन ले आता है!

ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसका जीवन सुसमाचार की रक्षक सामर्थ का गवाह है वह शैतान के क्रोध का मुख्य लक्ष्य बन जाता है!

यदि आप मसीह की भरपूरी के लिए भूखे और प्यासे होते हैं, तो शैतान आपके खिलाफ सीधे युद्ध की घोषणा करेगा। जब वह इस बात का प्रमाण देखता है कि आपका समर्पण सच्चा है - प्रार्थना में आपका परिश्रम, आपका खुद का इनकार - तो आपकी गवाही को बर्बाद करने के लिए वह नरक के हर हथियार का उपयोग करेगा। क्यों? वह गवाही धर्म-त्याग और विनाश के लिए परमेश्वर का उत्तर है!

दानिय्येल की कहानी की आग की भट्टी इसी बारे में है। बेबीलोन में बची हुई परमेश्वर की सामर्थ की इकलौती गवाही को नाश करने के लिए शैतान ने एक महत्वपूर्ण योजना तैयार की। उसका अंत एक गर्म भट्टी में हुआ जिसका मतलब सुसमाचार की सच्चाई के सारे जीवित प्रमाण की हत्या कर डालना।

तीन धर्मी युवा इस्राएली बेबीलोन के उच्च सरकारी दफ्तरों में सेवा करते थे - ऐसे लोग जो उनके द्वारा प्रचार किए गए सुसमाचार के दृश्य गवाह थे। उन्होंने अपने आपको बेबीलोन की विलासितापूर्ण जिंदगी से अलग कर दिया था, बल्कि अपने जीवनों को प्रार्थना में समर्पित कर दिया था। ये तीन लोग न तो भविष्यवक्ता थे और न ही याजक, परंतु सर्वसामान्य विश्वासी थे। और वे परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहे और मूर्तिपूजक भीड़ के मध्य अपने हृदय में शुद्ध बने रहे।

अर्थात, इससे शैतान क्रोधित हो गया, और उसने बेबीलोन के दुष्ट राजा में प्रवेश किया। तुरंत राजा ने सोने की एक बड़ी मूर्ति स्थापित की और उसे अधिकृत राष्ट्रीय देवता घोषित किया, जिसकी उपासना की जाए।

फिर उसने बेबीलोन के अधीन हर राष्ट्र से प्रत्येक अध्किारी और सेवक को आदेश भेजा, ताकि वह अपने नए धर्म का परिचय करा सके। संगीत के बजने पर हर एक को इस नए देवता के सामने दंडवत करना था।

शैतान ने राज्य को एक बड़ी ईट की भट्टी तैयार करने और उसे तपाने के लिए भी प्रेरित किया, ताकि उसकी ज्वाला हर किसी को भड़कती हुई दिखाई दे। मैं आपसे पूछता हूं - शैतान ने ऐसा क्यों किया? अवश्य ही वह जानता था कि बेबीलोन में कहीं कोई राज्यपाल, न्यायाधीश या शेरीफ नहीं है जो इस नए आदेश का विरोध करें। उन्हें बहकाने, डराने की जरूरत नहीं थी।

वस्तुतः वे सब यह सोचकर विस्मित होंगे कि, कौन समस्या पैदा करना चाहता है? हमारा सब कुछ ठीक चल रहा है - संपन्न है, खाते पीते हैं और अच्छा जीवन बिता रहे हैं। और यह नया धर्म आसान है। कौन यह सब कुछ त्यागना चाहेगा?

सो, वह आग की भट्टी किसलिए थी? यह पूर्णतया शैतान का काम था - विश्वासियों का नाश करने के लिए शैतान द्वारा चलाई गई युक्ति। वह भी बेबीलोन में बची परमेश्वर की एकलौती गवाही को खत्म करना चाहता था।

शैतान ने राजा को और उसकी पूरी सरकार को भ्रष्ट कर दिया केवल इन तीन पुरुषों पर हाथ डालने के लिए। उसने ऐसी कठोर परिस्थिति तैयार की, इतना बड़ा खतरा तैयार किया, कि अपने मानव बल से कोई भी - यह धर्मी जवान पुरुष भी नहीं - बिना हानि पहुंचे उसका सामना कर सके।

फिर भी संगीत की पहली ध्वनि पर भी उन्होंने दंडवत नहीं किया। शैतान इस बात से भड़क उठा! राजा के मुंह से ये भयंकर शब्द निकले,"फिर ऐसा कौन देवता है कि तुम्हें मेरे हाथ से छुड़ा सके?" (दानिय्येल ३:१५)। "... भट्टे को सातगुण अधिक धधका दो" (दानिय्येल ३:१९)।

अब शैतान की नजरों में परमेश्वर के सेवक थे जिन्हें वह डरा रहा था, "आप कौन हैं ऐसा आपको लगता है, कि तुम उस समस्या से भाग सको जो मैंने तुम्हारे लिए तैयार कर रखी है? मैं तुम्हें नीचे लाऊंगा और तुम्हारी गवाही को पूर्ण रूप से नष्ट कर दूंगा!"

उसी तरह आज, जिस तपन का हमें सामना करना पड़ रहा है वह पिछली पीढ़ियों की तुलना में कई गुना गर्म है। उदाहरण के तौर पर, शैतान ने हमारे युग के सारे तकनीकों में हेराफेरी की है - उसे कामुकता, पथभ्रष्टता, वासना और परीक्षा के साथ भ्रष्ट कर दिया है। आज हम परीक्षाओं की तप्त भट्टी का सामना क्यों कर रहे हैं? आज हर प्रकार के उत्पाद के लिए क्यों वासना और यौन का इस्तेमाल किया जा रहा है? इंटरनेट पर सैकड़ों अश्लील वेबसाइट क्यों है? इस गंदगी का शिकार कौन हैं?

अवश्य ही दुष्ट भीड़ नहीं - जो पवित्र शास्त्र के अनुसार, पहले से ही शैतान की संतान है। अलौकिक संसार नहीं, जो पहले से ही भरमाया गया है। नहीं इनमें से कोई भी शैतान के निशाने पर नहीं है। बल्कि उसने जयवंत मसीहियों के हृदयों को फंदा बनाने के लिए मीडिया का उपयोग किया है। वह सुसमाचार की गवाही को कमज़ोर बनाना चाहता है और नष्ट करना चाहता है!

इस समय कई विश्वासियों के जीवनों पर आग की भट्टी सात गुना अधिक तेजी से तपाई जा रही है। शैतान ने उनके घरों में, उनके काम के स्थानों में, और उनके रिश्तो में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न की हैं जो पहले से अधिक मुश्किल हैं। अब वे सहायता के लिए प्रार्थना नहीं करते। बल्कि वे सोचते हैं, मेरी परीक्षा इतनी अधिक है कि मैं बच नहीं सकता!

परमेश्वर की स्तुति हो, इन तीन पुरुषों ने अपनी गवाही बनाए रखी और शैतान की योजना को चकनाचूर कर दिया!

परमेश्वर ने शैतान की योजना को पूरे बेबीलोन राष्ट्र के सामने, अपनी गवाही के अवसर के रूप में बदल दिया। यह तीन सामान्य युवा विश्वासी झुके नहीं, इसलिए परमेश्वर ने उन्हें छुड़ा लिया। वे राष्ट्र के लिए प्रभु यीशु मसीह का सच्चा प्रकाशन ले आए!

बेबीलोन के राजा ने गवाही दी,"तब नबूकदनेस्सर राजा अचम्भित हुआ और घबराकर उठ खड़ा हुआ। और अपने मन्त्रियों से पूछने लगा, क्या हम ने उस आग के बीच तीन ही पुरुष बन्धे हुए नहीं डलवाए? उन्होंने राजा को उत्तर दिया, हां राजा, सच बात तो है। फिर उसने कहा, अब मैं देखता हूं कि चार पुरुष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं, और उनको कुछ भी हानि नहीं पहुंचती; और चौथे पुरुष का स्वरूप ईश्वर के पुत्र के सदृश्य है" (दानिय्येल ३:२४-२५)।

इसलिए, अचानक राजा ने मूर्ति की उपासना की उसकी पहली आज्ञा को रद्द कर दिया। और उसके बाद उसने तुरंत ही यह नई घोषणा जारी कर दी : "इसलिये अब मैं यह आज्ञा देता हूं कि देश- देश और जाति-जाति के लोगों, और भिन्न-भिन्न भाषा बोलनेवालों में से कोई शद्रक, मेशक और अबेदनगो के परमेश्वर की कुछ निन्दा करेगा, वह टुकड़े टुकड़े किया जाएगा, और उसका घर पूरा बनाया जाएगा; क्योंकि ऐसा कोई और देवता नहीं जो इस रीति से बचा सके" (दानिय्येल ३:२९)।

प्रियो, यह सब कुछ तीन लोगों की गवाही से हुआ - परमेश्वर के धर्मी प्रेमी जो अपने जीवन को विश्वास में त्यागने के लिए तैयार थे। ये तीन विनम्र पुरुष अपने देश का कानून बदलने के लिए ज़िम्मेदार हुए!

जी हां, परिस्थितियां आर्थिक रूप से, भौतिक रूप से, मानसिक रूप से, आत्मिक रूप से और अन्य सभी रीति से बिगड़ने वाली हैं। परंतु परमेश्वर ने पहले ही हर स्थान में, अलग किए हुए, धर्मी स्त्री और पुरुषों पर अपना हाथ रखा है। और उसका सुसमाचार गवाही के रूप में प्रचार किया जाएगा।

तब प्रभु आएगा!

नितांत आवश्यकता - उर्दू एको ऑफ हिज़ कॉल

हमें एको ऑफ हिज़ कॉल के लिए उर्दू अनुवादक की नितांत आवश्यकता है। हम हर माह पारिश्रमिक और अन्य शुल्क देंगे।

पा. एस. सैम सेल्वराज

What's App and Mobile
98410 71858 / 98412 71858

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती २४:१५

हम परमेश्वर के अवर्णनीय वरदानों के लिए उसका धन्यवाद करें।

बपतिस्मा टैंक की कहानी

मेरे प्रारंभिक दिनों में मुझे विभिन्न संस्कृतियों के और भाषाओं के उद्धार न पाए हुए लोगों को विभिन्न भाषाओं में सुसमाचार के साहित्य देकर, मेरी व्यक्तिगत मुलाकातों के द्वारा, कलीसिया की गतिविधियों के द्वारा, समाज विकास कार्यक्रम आदि के द्वारा परिश्रम करने की बहुत आदत थी। प्रभु ने लोगों के जीवनों को छूने में और विशाल संख्या में नई आत्माओं को बपतिस्मा देने में बड़े अनुग्रह से मेरी सहायता की। परंतु मेरे पास बपतिस्मा सभा चलाने के लिए टैंक नहीं था।

इसलिए मैं बपतिस्मा देने के लिए एक निजी तरन ताल का इस्तेमाल करता था। प्रभु यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण करने के बाद, बपतिस्मा लेने के लिए आगे आने वाली नई आत्माओं की संख्या बढ़ती जा रही थी इसलिए मालिकों ने मुझे उनके पूल या हौदों का इस्तेमाल करने से रोका। इसलिए मैं कुछ पैसा देकर दूसरी कलीसिया से अनुमति मांग कर बपतिस्मा सभा के लिए बपतिस्मा टैंक का उपयोग करने लगा।

प्रभु के पास आने वाले लोगों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही थी, इसलिए स्थानीय कलीसिया भी मुझे उपद्रव का कारण समझने लगी थी। अंत में मैं एक कलीसिया के वरिष्ठ पासवान से मिला, और मैंने उनसे विनती की कि उनके बपतिस्मा टैंक का उपयोग करने की वह मुझे अनुमति दे। उन्होंने कुछ समय के लिए मुझे अनुमति दी। एक सुबह उन्होंने मुझे बुलाकर कहा, भाई सैम, मुझे खुशी है कि अनपहुंचे हुए स्थानों में प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार सुनाने के लिए और हमारे टैंक में बपतिस्मा देने के लिए परमेश्वर आपका इस्तेमाल कर रहा है। परंतु मैं देख रहा हूं कि आप विभिन्न पृष्ठभूमियों के विभिन्न लोगों को ला रहे हैं और उन्हें बपतिस्मा दे रहे हैं। मैं खतरा मोल लेना नहीं चाहता इसलिए कृपया मुझे माफ करो, इसके बाद मैं आपको अनुमति नहीं दे सकता।

मैं यह सुनकर सचमुच बहुत दुखी हुआ क्योंकि मैं कुछ समय तक बपतिस्मा सभा नहीं ले सका। परंतु नई आत्माएं बपतिस्मा के लिए मुझे आग्रह करने लगी। एक दिन १९८० में बड़े बोझ के साथ मैंने प्रभु से प्रार्थना की और उसके बाद मैं अपने कमरे से बाहर आना नहीं चाहता था और मैं अपनी प्रार्थना चटाई पर उल्टा सीधा पड़ा था क्योंकि मैं जानता था कि मेरे पास प्रार्थना करने के लिए शब्द नहीं हैं। कुछ समय के बाद प्रभु के आत्मा ने मुझ से भेंट की और मुझे प्रोत्साहन दिया कि मैं बड़ी बातों के लिए प्रभु से प्रार्थना करूं। इसके अनुसार, मैं हमारी अपनी इमारत के लिए प्रार्थना करने लगा जिसमें गिरजाघर होगा, सुविधाजनक बपतिस्मा टैंक, दफ्तर, छापखाना घर आदि होंगे। प्रभु ने मुझ से अत्यंत स्पष्ट रूप से बात की कि मैं अपना सारा पैसा और मेरे साथ उपलब्ध सारी जायदाद देने के लिए तैयार हो जाऊं। जैसा प्रभु ने मुझसे कहा था मैंने बिना किसी हिचकिचाहट और दूसरा कोई विचार किए अपना सब कुछ परमेश्वर की सेवकाई के लिए दे दिया। भले ही मेरा अपना व्यक्तिगत योगदान कम था, फिर भी परमेश्वर ने मुझे सेवकाई के लिए वर्तमान जगह हासिल करने के लिए आशीषित किया। ज़मीन हासिल करने के बाद मेरी प्राथमिकता बपतिस्मा टैंक बनाना थी (जैसा आज हमारे पास है)। हमारा परमेश्वर कैसा अद्भुत है!

प्रिय मित्र, परमेश्वर ने आपको भी एक विशिष्ट उद्देश्य से चुना है। अपने आप को और उस परमेश्वर को जिसने आप को चुना है, कम न समझें। बिना किसी स्वार्थ और दुष्ट विचारों के यदि आप पिता के निकट जाने वाले एक बालक के समान उसके पास जाएंगे और अपनी समस्याओं और मुश्किलों को उसके चरणों में उंड़ेलेंगे तो आप अपने जीवन में परमेश्वर का अद्भुत और सामर्थी हाथ देखेंगे। इसलिए सोचने में अपना समय व्यतीत न करें। "इस कारण अपनी अपनी बुद्धि की कमर बान्ध ाकर, और सचेत रहकर उस अनुग्रह की पूरी आषा रखो, जो यीषु मसीह के प्रगट होने के समय तुम्हें मिलनेवाला है। और आज्ञाकारी बालकों के समान अपनी अज्ञानता के समय की पुरानी अभिलाषाओं के सदृष न बनो, परंतु जैसा तुम्हारा बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चालचलन में पवित्र बनो" (१ पतरस १:१३-१५)।

प्रेमपूर्ण निवेदन

आप सभी जानते हैं कि हमारे पास कई प्रकार की ज़रूरतें हैं जैसे कि कर्मचारियों के वेतन, कागज़ की खरीदारी का खर्च और यात्रा खर्च आदि। सामान्य तौर पर हम दूसरों को अपनी ज़रूरतों के लिए नहीं कहते। लेकिन हम उन लोगों से बिनती करते हैं जो सचमुच इस सेवकाई से प्रेम करते हैं कि वे अपने दान मनिऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, फोन पे, नेफ्ट या अन्य माध्यमों से भेजकर इस सेवकाई में हमारी सहायता कर सकते हैं। प्रभु आपको अवश्य आशीष देगा। विस्तृत जानकारी के लिए कॉल करें: + **98410 71852**

- सम्पादक, एको ऑफ हिज़ कॉल

RNI NO. 63656/95, Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/21-23 WPP NO. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

ECHO OF HIS CALL

Monthly magazines in 16 languages, Bible Colleges, Postal Courses, Church Planting, Village English High School, Gospel Printing Press, Crusades, Seminars, Social Services, etc.

Annual Subscription : Rs. 100/- Life Subscription : Rs. 2000/-

The multifarious activities of **Echo of His Call Ministry** is supported by the free-will offerings and donations of the God's Children like you. You may support **Echo of His Call** and its activities as the Lord leads you. We need your help to send forth the Gospel to the unreached people and plant Churches.

If you would like to receive **ECHO OF HIS CALL** magazines regularly, please write to us. Whenever you change your postal or e-mail addresses, please do inform us your old and new addresses.

Echo of His Call is available in 16 languages in our websites also. You can read it by going into the site as well as downloading it and get blessed.

Your letters, prayer requests and your financial helps (by D.D., Cheque, M.O. etc.) to **ECHO OF HIS CALL** may be sent to the address below.

Please send your **Land Phone / Mobile Phone Numbers and E.mail addresses** for updation.

ECHO OF HIS CALL

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk,
Chennai - 600 005, India
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858
E-mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.echoofhiscall.com

YOU CAN SEND YOUR DONATIONS ON ONLINE ALSO

PLEASE PRAY FOR OUR MINISTRIES AT THE HEADQUARTERS

1. Prayer Service : 24 hours
2. **BIBLECOR -** Bible Correspondence Courses : English, Tamil & Hindi
3. **ECHO OF HIS CALL** - Monthly Magazines : English, Tamil, Malayalam, Telugu, Hindi, Kannada, Marathi, Gujarati, Bengali, Odiya, Nepali, Assamese, Punjabi, Urdu, Sinhala & Afrikaans.
4. Nehemiah Bible Colleges (Two Centres)
5. Theological Correspondence Courses: English & Tamil
6. Great Commission Partners (Network of Pastors)
7. Training Programmes
8. Crusades
9. Literature Distribution and Follow Up
10. Gospel Printing Press - Publications
11. St. Paul's Matriculation School - Village English High School
12. Sunday Schools : 8.30 a.m. & 4.00 p.m. Sunday
13. **Tamil Services : 5.30 a.m. , 7.00 a.m. & 10.00 a.m. Sunday**
14. **Malayalam Service : 2.00 p.m. Sunday**
15. **Telugu Service : 4.00 p.m. Sunday**
16. **Hindi Service : 5.00 p.m. Sunday**
17. **English & Tamil Service : 6.00 p.m. Sunday**
18. Pastors' Counselling : 4.00 p.m. Sunday
19. Women's Prayer : 5.30 p.m. Wednesday
20. Mid-week Bible study : 6.30 p.m. Wednesday
21. Men's Prayer : 7.00 p.m. Friday
22. Workers' Meeting : 6.00 p.m. Saturday
23. House Meetings : 6.30 p.m. Monday & Tuesday
24. Special Holy Communion : 5.30 a.m. 1st day of each month
25. Ministers Review Meeting : 5.30 p.m. First Saturday
26. Parents' Prayer : 4.00 p.m. First Sunday
27. Night Prayer : 9.30 p.m. Second Friday
28. Fasting Prayer : 9:30 a.m. Third Saturday
29. Holy Communion : Second Sunday Services
30. Morning Devotion : 5.30 a.m. daily
31. Staff Devotion : 9.00 a.m. daily
32. Office : 9.00 a.m. to 9.00 p.m. (except Sundays)

The details of our Bank Accounts are given below. Please inform us the details of your remittances.

Bank	Branch	Name	IFSC Code No.	Account Number
1. STATE BANK OF INDIA	Triplicane, Chennai -5	S. Sam Selva Raj	SBIN 0000249	102329 34679
2. ICICI BANK	Anna Salai, Chennai -2	Echo of His Call	ICIC 0006038	6038 05022319

RNI NO. 63656/95
Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/21-23
WPP NO. TN/PMG(CCR) / WPP- 222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th JANUARY 2021
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957,
Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers** 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**